ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं मनन शक्ति द्वारा मगन अवस्था का अनुभव करने वाली मायाजीत आत्मा हूँ

Brahma Kumaris

शिव भगवानुवाच..

धन सम्पत्ति योगी की उत्तम दासी है। यदि तुमने उसे स्वामिनी बना लिया तो तुम उसके गुलाम बनकर सुख-शांति खो दोगे।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

एकाग्रता से प्राप्तियाँ

- एकाग्रता से सर्व शक्तियों कि प्राप्ती होती है।
- एकाग्रता से नवीनता की इन्वेंशन कर सकते हैं।
- एकाग्रता से किसी भी आहवान कर सकते हो।
- एकाग्रता से किसी भी आत्मा को दूर बैठे सहयोग दे सकते हो।
- एकाग्रता से किसी भी आत्मा की आवाज़ कैच कर सकते हो।
- एकाग्रता से किसी भी आत्मा का मैसेज उस आत्मा तक पहुँचा सकते हो।
- एकाग्रता से श्रेष्ठता और स्पष्टता स्वतः होगी।
- एकाग्रता से स्वतः ही 'एक बाप दूसरा न कोई' यह अनुभूति होती है।
- एकाग्रता से परखने की व निर्णय करने की शक्ति स्वतः ही बढ़ती है।
- एकाग्रता से एक बाप में सारे संसार की सर्व प्राप्तियों की अनुभूति कर सकते हो।
- एकाग्रता से अशांत,दुखी,आत्मा को दूर बैठे भी शांति,शक्ति दे सकते हो।
- एकाग्रता की शक्ति सहज निर्विघ्न बना देती है।
- एकाग्रता की शक्ति अव्यक्त फरिश्ता स्थिति की अनुभूति कराती है।
- एकाग्रता की शक्ति से स्वतः ही सर्व प्रति स्नेह,कल्याण,सम्मान की वृति रहती है।
- एकाग्रता की शक्ति सर्व प्रति भाई भाई की दृष्टी स्वतः बना देती है।
- एकाग्रता की शक्ति हर आत्मा के सम्ब में स्वमान के कर्म सहज अनुभव कराती है।
- एकाग्रता सहज सफलता की है।
- एकाग्रता अनेक तरफ का भटकाना सहज ही छुड़ा देती है।
- एकाग्रता शक्तिशाली स्थिति का अनुभव कराती है।
- एकाग्रता बाप सामान स्थिति का अनुभव कराती है।
- एकाग्रता सिद्धि स्वरुप बनाती है।
- एकाग्रता विश्व कल्याण करने का सहज है।
- एकाग्रता एकरस स्थिति का सहज अनुभव कराती है।
- एकाग्रता सदा उड़ती कला की अनुभूति कराती है।

एकाग्रता का आधार – १. साइलेंस की शक्ति , २. अंतर्मुखता, ३. कंट्रोलिंग पावर

एकाग्रता की विधि – १.एकांतवासी बनना। २.व्यर्थ संकल्पों को शुद्ध संकल्पों में परिवर्तन करना। ३.ज्ञान का मनन चिंतन करना। ४. ईश्वरीय लगन को बढ़ाना ५.सारे दिन में बिच बिच में निराकारी,अशरीरी बनना। ६.अमृतवेला को पावरफुल बनाना। ७.आत्मिक दृष्टी का अभ्यास करना। ८.पवित्रता में संपूर्ण बनना।

अव्यक्त शिक्षाएँ

अवतार अर्थात् ऊपर से श्रेष्ठ कर्म के लिए नीचे आते हैं। आप सभी भी ऊँची ऊपर की स्थिति से नीचे अर्थात देह का आधार ले सेवा के प्रति कर्म करने के लिए पुरानी देह में, पुरानी दुनिया में आते हो। लेकिन स्थिति ऊपर की रहती है, इसलिए अवतार हो। अवतार सदा परमात्म पैगाम ले आते हैं। आप सभी संगमयुगी श्रेष्ठ आत्मायें भी परमात्म पैगाम देने के लिए, परमात्म मिलन कराने के लिए अवतरित हुए हो।

अ.बापदादा-24.02.84

सहन करना कमजोरी नहीं शक्ति हैं । अर्थात कोई गलत करता हैं तो उनकी बातों का समर्थन नहीं करना हैं , किंतु सहन करना अर्थात उनके व्यवहार का प्रभाव हमारी सोच और हमारे व्यवहार पर ना हो ।

BK Dr.Damini

जब किसी के नाम को बार-बार पुकारा जाता है तो उसे मुड़कर देखना ही पडता है कि उसे कौन बुला रहा है ? उसी प्रकार जब ईश्वर के नाम का स्मरण निरंतर किया जाता तो ईश्वर को उनकी पुकार सुननी ही पडती है.....

Om Shanti 🙏

प्रात:आंख खुलते ही मन को सुंदर विचारों से सजाएं जैसे-

में बहुत सौभाग्यशाली हुं।

मेरा आज का दिन सुख, शांति,खुशी से भरा है।

मेरा आज का दिन दुवाओं से भरा है।

मेरा आज का दिन मंगलमय है ...

मेरा भगवान मेरे साथ है।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org